सिटी भास्कर
30 जनवरी 2010

आइपर की प्रबंधन संगोष्ठी 'विसाज-2010' ने दिखाई युवाओं को नेतृत्व की नई राह

उठाओ जोखिम, बनो टी-20 के लीडर

नौजवानों के जोखिम भरे कदम ही देश को टी-20 में लीडर बनाएंगे। सेबी के चेयरमैन से लेकर शीर्ष अर्थशास्त्री, कार्पोरेट प्रमुख और राजनेता इसकी घोषणा करने लगे हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च (आईपर) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के छठे नेशनल मैनेजमेंट कन्वेंशन में शुक्रवार को युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। होटल नूर-उस-सबाह में लीडरशिप कॉन्क्लेव विसाज में विशेषज्ञों की आम राय थी कि निजी प्रगति के साथ परिवार, समाज और देश के लिए भी कुछ करने की तीव्र चाहत जरूरी है। जोखिम भरे जो काम युवावस्था में किए जा सकते हैं, उन्हें 10 वर्ष बाद करना संभव नहीं होता। आईपर के डीन डॉ. अमरजीत सिंह खालसा ने उम्मीद जताई कि अगले दशक की संभावनाओं और बतौर लीडर युवाओं के भविष्य के बारे में हुई चर्चा मार्गदर्शक साबित होगी।

संगोष्ठी में की-नोट एड्रेस देते सेबी के चेयरमैन सीवी भावे। साथ हैं आइपर के चेयरमैन केजे रावतानी। फोटो | शान बहादुर

जल्दबाजी न करें

युवा पहले तय करें कि जिन सपनों को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं, उन्हें विपरीत परिस्थितियों में अफोर्ड कर सकते हैं या नहीं। आजकल तनाव बड़ी समस्या है। सोर्स ऑफ स्ट्रेस का पता लगाने के बाद सेल्फ वैल्यूशन कर तनाव को कम करना चाहिए। अपनी पर्सनालिटी को मल्टी डायमेंशनल बनाना होगा। उनमें इमोशनल नीड भी होनी चाहिए। खुद नंबर वन पर पहुंचकर आंखें न मूंद लें। उन 99 लोगों के बारे में भी सोचें जिन्हें आप आगे बढ़ा सकते हैं।

सीवी भावे
चेयरमैन सेबी